''अपना बच्चा अपना–विद्यालय अभियान'' में संस्था प्रधान की भूमिका

- अपने पंचायत के सारे सरकारी षिक्षण संस्थानों में नामांकन वृद्वि तथा लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सारे अध्यापक, प्रधानाध्यापक, प्राध्यापक, संस्थाप्रधान, आंगनबाड़ी षिक्षिका की सामूहिक बैठक करें। इस बैठक में पूरे पंचायत के सरकारी षिक्षण संस्थानों में कैसे नामांकन वृद्वि की जायेगी इस पर विस्तृत रणनीति बनाई जाए और पंचायत के लिए नामांकन लक्ष्य निर्धारित किया जाये एवं इस रणनीति के क्रियान्वयन के लिए सबकी भागीदारी सुनिष्चित की जाये। इस बैठक में विभाग के किसी उच्च अधिकारी को बुलाया जाये, नामांकन वृद्वि के लिए समुदाय से सम्पर्क करने के लिए टीमों का गठन किया जावे।
- अपने विद्यालय स्तर में समस्त एसएमसी, एसडीएमसी सदस्य गाँव के प्रभावषाली व्यक्ति, धार्मिक गुरू, जन प्रतिनिधि, भामाषाह, मीडियाकर्मी अन्य राजकीय संस्थाओं के कर्मचारियों की बैठक बुलाई जाये और नामांकन वृद्वि में उनका सहयोग माँगा जाये। इस बैठक में अन्य राजकीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों की भी सहायता ली जाये।
- पंचायत स्तर में बनी समुदाय संपर्क टीम पंचायत को अलग–अलग क्षेत्रों में विभाजित कर संपर्क का कार्य करे। बालक किस राजकीय विद्यालय में प्रवेष लेगा। यह बालक के घर की विद्यालय से दूरी को देखते हुए तय किया जा सकता है।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गाँव में महिलाओं की मीटिंग ली जाये इसमें विद्यालय की महिला षिक्षिकाएं शामिल हो और राजकीय विद्यालयो में बालकों को प्रवेष दिलाने हेतु प्रेरित करे।
- संस्था प्रधान ग्राम सभा में शामिल होवे और राजकीय विद्यालयों में मिलने वाली गुणवत्तापूर्ण षिक्षा जैस ब्ब्म् आधारित मूल्यांकन, गतिविधि आधारित सीखना और उच्च योग्यताधारी षिक्षक, पर्याप्त भवन आदि सुविधाओं आदि के बारे में बतावें।
- प्रत्येक शनिवार को समुदाय बाल सभा का आयोजन गाँव के मौहल्ले, चौपाल या ढ़ाणी में जाकर किया जाये जिसमें बच्चों द्वारा शैक्षिक व सहषैक्षिक गतिविधियों का प्रदर्षन किया जावें। बाल सभा के बाद में समुदाय से बच्चों को राजकीय विद्यालयों में प्रवेष दिलाने की अपील करें।
- इस हेतु सभी विद्यालय सामूहिक रूप से प्रचार–प्रसार करने हेतु मिलकर बेनर, फ्लेक्स बोर्ड, पम्पलेट्स बनाये जिसमें अपनी–अपनी स्कूल की उपलब्धियों को दर्षाए।
- प्रचार–प्रसार की सामग्री के व्यय के लिए भामाषाहों तथा जन प्रतिनिधियों से सहायता ली जा सकती है।
- इस अभियान के अंतर्गत होने वाली प्रत्येक गतिविधियों को मीड़िया (अखबार, स्थानीय टी.वी. चैनल) के माध्यम से प्रसारित करने का प्रयास किया जाये।
- ौंजे।चच के माध्यम से इन गतिविधियों की फोटोज व जानकारियाँ अधिकारियों और अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाये तथा नोड्ल मीटिंग्स में भी इनको प्रदर्षित करें।
- संस्था प्रधान द्वारा इस अभियान के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों में उच्च अधिकारियों को शामिल करने का प्रयास किया जाये तथा इस अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर में भी प्रषासनिक अधिकारी, षिक्षा विभाग, एसएसए., आरएमएसए, डाईट, महिला एवं बाल विकास विभाग, मीडिया प्रतिनिधि साथ मिलकर नामांकन के लिए रणनीति बनाये तथा जिला एवं

ब्लॉक स्तर के समन्वयन बैठक, ब्लॉकवार टीम बनाकर विद्यालय तथा समुदाय में चलने वाली बैठकों में सामुदायिक बाल सभाओं में भाग ले।

- अभियान के दौरान संस्था प्रधान द्वारा साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित करनी चाहिए जिसमें नामांकन लक्ष्य की प्राप्ति का हिसाब और इसमें लोगों द्वारा किए गए कार्यों की प्रषंसा की जानी चाहिए।
- इस अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था प्रधान उपर बताये गये कार्यों के साथ और भी नवाचार कर सकते है।

.....